বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - V

Subject: SANSKRIT

Paper : C 11-T

(Vedic Literature)

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candiates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

Vidyasagar University

अधोनिर्दिष्टेषु **त्रयाणां** प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम्। 20 × 3 = 60

(क) शिवसङ्कल्पसूक्तानुसारं मनसः स्वरूपं प्रतिपाद्यताम्।

(ख) वैदिकसाहित्ये लेट्-लकारस्य प्रकृतिः सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

(ग) अक्षसूक्ते उपलब्धा कितवस्य अवस्था वर्णनीया।

(घ) मुण्डकोपनिषत्प्रतिपादितं ब्रह्मस्वरूपमालोच्यताम्।

(ङ) व्याकरणगता टिप्पनी लेख्या—दीदिविम्, प्रशिषम्, दाशुषे, मादयन्ति।

(च) ऋषिछन्दोदेवतानिर्देशपुरःसरं मन्त्रद्वयं व्याख्येयम्—

(i) अग्ने यं यज्ञमध्वरं

विश्वतः परिभूरसि।

स इद्देवेषु गच्छति।।

(ii) असंवाधं बध्यतो मानवानां सस्या उद्धतः प्रवतः समं बहु।

नाना वीर्या ओषधीर्या बिभर्ति पृथिवी नः प्रथतां राध्यतां नः।।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - V

Subject: SANSKRIT

Paper : C 12-T

(Sanskrit Grammar)

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candiates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

अधोनिर्दिष्टेषु **त्रयाणां** प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

(क) 'तुलास्यप्रयत्नं सवर्णम्'—हलन्त्यम् इति सूत्रद्वयं व्याख्येयम्।

(ख) सन्धिः कः? लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं स कतिविधः? संक्षेपेण अच्-सन्धिः आलोच्यताम्।

(ग) 'अकथितं च', प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा इति सूत्रद्वयं व्याख्येयम्।

(घ) लघुसिद्धान्तकौमुघानुसारम् अपादानसंज्ञाविधायकं सूत्रत्रयं सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

(ङ) ससूत्रं सन्धिरूपं प्रदर्श्यताम्—

धात्रंशः, गङ्गोदकम्, चिन्मात्रम्, अहरहः, उपैधते, विष्णूदयः।

Vidyasagar University

(च) अधो लिखितानां रेखाङ्कितपदानां ससूत्रं कारक-विभक्तिः निर्णेया—

(i) वामनः बलिं वसुधां याचते।

(ii) रामेण वाणेन हतो वाली।

(iii) अग्नये स्वाहा।

(iv) बालकः करे आस्ते।

(v) शत्यः अश्वः।

(vi) नमस्कुर्मः नृसिंहाय।

(vii) वृक्षात् पर्णं पतति।

(viii) जीवनस्य माता अस्वस्था।

(ix) श्रमं विना विद्या न लभते।

(x) अध्ययनात् पराजयते।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - V

Subject: SANSKRIT

Paper : DSE 1A-T / 2A-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candiates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

Philosophy Religion and Culture in Sanskrit Tradition

केषाञ्चन **त्रयाणामुत्तरं** देयम्। 20 × 3 = 60

যে-কোনো **তিনটি** প্রশ্নের উত্তর দাও।

1. श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वादशाध्यायानुसारं भगवतः प्रियभक्तानां लक्षणानि वर्णयत।

   শ্রীমদ্ভগবদগীতার দ্বাদশ অধ্যায় অনুসারে ভগবানের প্রিয়ভক্তদের লক্ষণগুলি বর্ণনা কর।

2. भारतीयधर्मदर्शनानुसारेण ईश्वरस्य स्वरूपं व्याख्यायताम्।

   ভারতীয় ধর্ম ও দর্শনানুসারে ঈশ্বরের স্বরূপ ব্যাখ্যা কর।

3. को नाम संस्कारः ? संस्काराणां विभागाः संक्षेपेण आलोच्यन्ताम्।

   সংস্কার কি? সংস্কারের বিভাগগুলি সংক্ষেপে আলোচনা কর।

Vidyasagar University

4. प्रकृतिवर्णनपुरस्सरं गुणत्रयं व्याख्येया:।

प्रকৃতির স্বরূপ বর্ণনাপূর্বক গুণত্রয় ব্যাখ্যা কর।

5. टीका: लिख्यान्ताम्—महायज्ञ:, पुरुषार्थ:

টীকা লেখ—মহাযজ্ঞঃ, পুরুষার্থঃ

6. धर्मशब्दस्य कोऽर्थ: ? स: कतिविध: ? के च ते ? वाणप्रस्थस्य स्वधर्म विस्तरेण लिखत।

ধর্ম শব্দের অর্থ কি? সেই ধর্ম কত প্রকার ও কি কি? বাণপ্রস্থের স্বধর্ম বিস্তৃতভাবে লেখ।

Indian Perspectives in Personality Development

यथेच्छं प्रश्नत्रयं समाधेयम्। $20 \times 3 = 60$

যে-কোনো **তিনটি** প্রশ্নের উত্তর দাও।

1. गीतानुसारेण स्वधर्मविकासस्य, तस्य सामाजिकीकरणस्य च उपाय: सम्यगालोच्यताम्।

   গীতা অনুসারে স্বধর্ম বিকাশ এবং তার সামাজিকী করণের উপায় সম্যক আলোচনা কর।

2. श्रीमद्भगवद्गीतानुसारेण आत्मतत्त्वविषय: आलोच्यताम्।

   শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা অনুসারে আত্মতত্ত্ব বিষয়টি আলোচনা কর।

3. उदाहरणपूर्वकं व्यक्तिभिन्नताया: कारणं प्रकारश्च प्रदर्श्येताम्।

   উদাহরণসহ ব্যক্তিভিন্নতার কারণ ও প্রকার দেখাও।

4. गीतायामुल्लिखित: आचरणविधि: तत्परिमार्जनपद्धतयश्च पर्यालोचयन्तु।

   গীতায় উল্লিখিত আচরণবিধি ও পরিমার্জন পদ্ধতিগুলি পর্যালোচনা কর।

5. गीतानुसारेण क्षेत्रक्षेत्रज्ञयोर्मध्ये पार्थक्यं प्रदर्शय।

   গীতা অনুসারে ক্ষেত্রক্ষেত্রজ্ঞের মধ্যে পার্থক্য দেখাও।

6. व्यक्ति:व्यक्तित्वम् आत्मतत्त्वञ्च वैदिकसाहित्यानुसारेण सोदाहरणं आलोच्यन्ताम्।

   বৈদিক সাহিত্য অনুসারে ব্যক্তি, ব্যক্তিত্ব এবং আত্মতত্ত্ব বিষয়গুলি উদাহরণযোগে আলোচনা কর।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - V

Subject: SANSKRIT

Paper : DSE 2-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candiates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

(Theatre and Dramaturgy in Sanskrit)

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **त्रयाणां** प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम् : 20 × 3 = 60

(क) भरतस्य नाट्यशास्त्रानुसारेण रङ्गशालाणां प्रकारभेदाः निर्माणशैली च संक्षेपेण आलोच्यन्ताम्।

(ख) प्रकारभेदोल्लेखपूर्वम् अर्थोपक्षेपकविषयमाश्रित्य एकः प्रबन्धः लेख्यः।

(ग) कः नाम रसः ? रसस्वरूपं वर्णनापूर्वकं रसभेदाः स्पष्टीक्रियन्ताम्।

(घ) भारतीयनाट्यभवनस्य उत्पत्तिः विकाशश्च सयुक्ति संक्षेपेण विव्रियेताम्।

(ङ) को नाम अभिनयः ? स कतिविधः ? के च ते ? तेषां वैशिष्ट्यानि आलोच्यन्ताम्।

(च) टीका लेख्या—सूत्रधारः, आधिकारिकवृत्तम्, मुखसन्धिः, रूपकम्।

Vidyasagar University

বঙ্গানুবাদ

যে কোনো ***তিনটি*** প্রশ্নের উত্তর দাও : **20 × 3 = 60**

(ক) ভারতের নাট্যশাস্ত্রানুসারে রঙ্গশালাগুলির প্রকারভেদ ও নির্মাণশৈলী সংক্ষেপে আলোচনা কর।

(খ) প্রকারভেদ উল্লেখপূর্বক অর্থোপক্ষেপক বিষয়ে একটি প্রবন্ধ লেখ।

(গ) রস কাকে বলে? রসের স্বরূপ বর্ণনা করে রসের ভেদ স্পষ্ট কর।

(ঘ) ভারতীয় নাট্যভবনের উৎপত্তি ও বিকাশ যুক্তিসহকারে সংক্ষেপে বর্ণনা কর।

(ঙ) অভিনয় কি? তা কয়প্রকার ও কি কি? তাদের বৈশিষ্ট্য আলোচনা কর।

(চ) টীকা লেখ ঃ সূত্রধারঃ, আধিকারিকবৃত্তম্, মুখসন্ধি, রূপকম্।

(Tools and Techniques for Computing Sanskrit Language)

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केचन **त्रय:** प्रश्ना: समाधेया:। 20 × 3 = 60

१. संस्कृते ध्वनिविज्ञानम् (Sanskrit Phonology) इति विषयमाधारीकृत्य नातिदीर्घ: प्रबन्धो लेख्य:।

२. अर्थविज्ञानम् (Semantics) इति विषये निबन्धो विरच्यताम्।

३. वाक्यविज्ञानस्य (Syntax) संक्षेपेण परिचयो देय:।

४. भाषासंगणनस्य विविधानि उद्देश्यानि आलोचयत।

५. भारतीयभाषासंगणनस्योपरि अनुसन्धानं कुर्वाणानां विविधानां संस्थानाम् अवदानं वर्णयत।

६. संस्कृतभाषायां शब्दकोशविषये टिप्पणी लेख्या।

বঙ্গানুবাদ

(ক) সংস্কৃতে ধনিবিজ্ঞান বিষয়ে নাতিদীর্ঘ প্রবন্ধ লেখ।

(খ) অর্থবিজ্ঞান বিষয়ে নিবন্ধ লেখ।

(গ) বাক্যবিজ্ঞানের সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।

(ঘ) ভাষাসংগণনের বিবিধ উদ্দেশ্য আলোচনা কর।

(ঙ) ভারতীয় ভাষাসংগণনের উপর অনুসধানে করছে এমন বিবিধ সংস্থার অবদান বর্ণনা কর।

(চ) সংস্কৃত ভাষায় রচিত শব্দকোশ বিষয়ে টিপ্পনী লেখ।

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - V

Subject: SANSKRIT

Paper : DSE 1-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candiates are required to give their answer in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

Indian System of Logic and Debate

यदेच्छं त्रयः प्रश्नाः समाधेयाः। $20 \times 3 = 60$

1. वादविचारस्य स्वरूपमुपवर्णनीयम्।

2. वितण्डायाः प्रयोजनमुल्लिख्य तस्या वैशिष्ट्यान्यालोचनीयानि।

3. परार्थानुमानेऽवयवाः कति भवन्ति? स्वोदाहरणं लिख्यताम्।

4. अन्वयव्यतिरेक्यनुमानं सोदाहरणं प्रतिपादनीयम्।

5. कस्यां कथायां निग्रहस्थानस्य प्रयोगः क्रियते? समासत उत्तरं दीयताम्।

6. जल्पवितण्डयोरुपयोगो यथायथं प्रतिपाद्यताम्।

Vidyasagar University

বঙ্গানুবাদ

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো ***তিনটি*** প্রশ্নের উত্তর দাও : **20 × 3 = 60**

1. বাদবিচারের স্বরূপ বর্ণনা কর।

2. বিতণ্ডার স্বরূপ উল্লেখ করে তার বৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা কর।

3. পরার্থানুমানে অবয়ব কটি? সোদাহরণ লেখ।

4. অন্বয়ব্যতিরেকি অনুমান উদাহরণসহ প্রতিপাদন কর।

5. কোন্ কথাতে নিগ্রহস্থানের প্রয়োগ করা হয়? সংক্ষেপে উত্তর দাও।

6. জল্প ও বিতন্ডার উপযোগিতা যথাযথ প্রতিপাদন কর।

Arts of Balanced Living

1. प्रश्नत्रयाणामुन्तरं देयम्। 20 × 3 = 60

(क) चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः—श्रीमद्भगवद्गीतायाः कस्मिन् अध्याये वचनमिदमुपलभ्यते? अत्र को वक्ता? श्रीमद्भगवद्गीतानुसारेण वर्णव्यवस्था पर्यालोचनीया।

(ख) निष्कामकर्मयोगः को भवति? श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं चरित्राभिवर्धने कर्मयोगस्य भूमिका व्याख्येया।

(ग) आत्मज्ञानलाभोपायत्रयाणां गुरुत्वमालोच्यताम्।

(घ) योगसूत्रानुसारं विविधचित्तवृत्तयः व्याख्यायन्ताम्।

(ङ) टीका कार्या—चित्तभूमिः, अष्टाङ्गयोगः

(च) श्लोकयोः तात्पर्यं लिख्यताम्—

(i) श्रेयो हि ज्ञानमभ्यासात् ज्ञानाद्ध्यानं विशिष्यते।
ध्यानात् कर्मफलत्यागस्त्यागाच्छान्तिरनन्तरम्।।

(ii) कर्मेन्द्रियाणि संयम्य य आस्ते मनसा स्मरन्।
इन्द्रियाणि विमूढात्मा मिथ्याचारः स उच्यते।।

Vidyasagar University

বঙ্গানুবাদ

1. নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো ***তিনটি*** প্রশ্নের উত্তর দাও : **20 × 3 = 60**

(ক) ‘চাতুর্বর্ণ্যং ময়া সৃষ্টং গুণকর্মবিভাগশঃ’—শ্রীমদ্‌ভগবদ্‌গীতার কোন্ অধ্যায়ে বচনটি পাওয়া যায়? এখানে বক্তা কে? শ্রীমদ্‌ভগবদ্‌গীতানুসারে বর্ণব্যবস্থা পর্যালোচনা কর।

(খ) নিষ্কামকর্মযোগ কি? শ্রীমদ্‌ভগবদ্‌গীতানুসারে চরিত্রাভিবর্ধনে কর্মযোগের ভূমিকা ব্যাখ্যা কর।

(গ) আত্মজ্ঞানলাভের তিনটি উপায়ের গুরুত্ব আলোচনা কর।

(ঘ) যোগসূত্রানুসারে বিবিধ চিত্তবৃত্তি ব্যাখ্যা কর।

(ঙ) টীকা লেখ ঃ চিত্তভূমিঃ, অষ্টাঙ্গযোগঃ।

(চ) শ্লোক দুটির তাৎপর্য লেখ ঃ

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - V

Subject: SANSKRIT

Paper : SEC 3-T

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

Candiates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

(Basic Elements of Jyotisha)

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **द्वयो:** प्रश्नयो: उत्तरं प्रदेयम्। 20 × 2 = 40

निम्नलिखित যে-কোনো **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) ज्योतिषशास्त्रस्योद्भव: क्रमविकासश्च लिख्येताम्।

জ্যোতিষশাস্ত্রের উদ্ভব ও ক্রমবিকাশ লেখ।

(ख) ज्योतिषचन्द्रिकानुसारं योगिन्या: निवास: फलञ्च व्याख्यायेताम्

জ্যোতিষচন্দ্রিকানুসারে যোগিনীর নিবাস ও ফল ব্যাখ্যা কর।

(ग) टीका लेख्या—होरा, वास्तुशास्त्रम्, अमृतयोग:, वराहमिहिर:।

টীকা লেখ—হোরা, বাস্তুশাস্ত্রম্, অমৃতযোগ, বরাহমিহির।

Vidyasagar University

(ঘ) श्लोकद्वयं व्याख्येयम्—

(i) षड्भिः प्राणैः ज्ञेयं तत्षष्ठ्या दण्ड उच्यते।

दण्डषष्ठ्या च नाक्षत्रमहोरात्रं प्रकीर्तितम्।।

(ii) गृहप्रवेशे यात्रायां विवाहे च यथाक्रमम्।

भौमाश्विनीं शनौ ब्राह्मं गुरौ पुष्यां विवर्जयेत्।।

E-Learning Tools and Techniques for Sanskrit

यथेच्छं **द्वयं** उत्तरत। 2 × 20 = 40

নিম্নলিখিত যে-কোনো **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও।

1. "E-learning"-इत्यस्य कोऽर्थः ? अस्य उपकारिताम् अपकारितां च वैशद्येन आलोचयत।

   ("E-learning"-বলতে কি বোঝায়? এর উপকারিতা ও অপকারিতা সম্পর্কে বিশদে আলোচনা করো।)

2. अन्तर्जालस्य (internet) वैद्युतिनसामग्रिणां (E-tools) च व्यवहारेण संस्कृतभाषया कार्यं कथं कर्तुं शक्यते इति विषये समासेन आलोचयत।

   (ইন্টারনেট ও বৈদ্যুতিন সামগ্রীর ব্যবহারের দ্বারা সংস্কৃতভাষায় কিভাবে কাজ হতে পারে—এই বিষয়ে সংক্ষেপে আলোচনা করো।)

3. Unicode इति किम्? Unicode font आश्रित्य देवनागरीलिप्या लेखनस्य उपयोगिताविषये लिखत।

   (Unicode কি? Unicode font ব্যবহার করে দেবনাগরীলিপিতে লেখার উপযোগিতা বিষয়ে লেখ।)

4. विविधानाम् उपलभ्यमानानां वैद्युतिनपठनसामग्रीणाम् (e-learning tools) परिचयः दीयताम्।

   (উপলব্ধ বিভিন্ন বৈদ্যুতিন পঠন সামগ্রীর পরিচয় দাও।)

Vidyasagar University

বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়
VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - V

Subject: SANSKRIT

Paper : GE 1-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candiates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

(Nationalistic Thoughts in Sanskrit Literature)

यथेच्छं **त्रयाणां** प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। 20 × 3 = 60

যে-কোনো **তিনটি** প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) राष्ट्रशब्दस्य का व्युत्पत्तिः? तस्य कति अङ्गानि सन्ति? संस्कृतशास्त्रदिशा तेषां स्वरूपं संक्षेपेणालोच्यताम्।

রাষ্ট্রশব্দের ব্যুৎপত্তি কি? তার অঙ্গ কয়টি? সংস্কৃত শাস্ত্র অনুসারে তাদের স্বরূপ সংক্ষেপে আলোচনা কর।

(ख) राष्ट्रभावनायाः किं स्वरूपम्? संस्कृतशास्त्रं कथं राष्ट्रभावनायाः द्योतकं भवति।

রাষ্ট্রভাবনার স্বরূপ কি? সংস্কৃতশাস্ত্র রাষ্ট্রভাবনার দ্যোতক হয় কিভাবে?

Vidyasagar University

(ग) किं वैदिकशास्त्रं राष्ट्रभावनाया बीजस्वरूपम्? कथं स्वदेशभावनायाः आकररूपेण वेदा उल्लिख्यन्ते उदाहरणपुरःसरं व्याख्यानं करणीयम्?

বৈদিকশাস্ত্র কি রাষ্ট্রভাবনার বীজস্বরূপ? স্বদেশভাবনার আকররূপে বেদকে কেন উল্লেখ করা হয়? উদাহরণ সহিত ব্যাখ্যা কর।

(घ) स्वदेशभावनोत्पादने रामायणमहाभारतयोः का भूमिकास्ति आलोच्यताम्।

স্বদেশ ভাবনার উৎপাদনে রামায়ণ ও মহাভারতের ভূমিকা কি? আলোচনা কর।

(ङ) पराधीनभारतीयसंस्कृतसाहित्ये स्वदेशभावनायाः कः परिचयः प्राप्यते स्वकीय-विषयदिशा यथामति आलोच्यताम्।

পরাধীন ভারতীয় সংস্কৃত সাহিত্যে স্বদেশভাবনার কি পরিচয় পাওয়া যায়? স্বকীয় বিষয়ের দৃষ্টিতে যথামতি আলোচনা কর।

(च) स्वाधीनोत्तरसंस्कृतसाहित्ये राष्ट्रभावनाया यच्चित्रं प्रस्फुटितं भवति स्वाधीनोत्तरविविधग्रन्थदिशा तदालोच्यताम्।

স্বাধীনোত্তর সংস্কৃত সাহিত্যে রাষ্ট্রভাবনার যে চিত্র প্রস্ফুটিত হয়েছে স্বাধীনোত্তর বিভিন্ন গ্রন্থে তা আলোচনা কর।

(Political Thoughts in Sanskrit)

1. अधोनिर्दिष्टेषु येथच्छं **त्रयानां** प्रश्नयोः उत्तरं प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

নিম্নলিখিত যে কোনো **তিনটি** প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) राष्ट्रस्य सप्ताङ्गविषये आलोचयत।

রাষ্ট্রের সপ্তাঙ্গবিষয়ে আলোচনা কর।

(ख) प्राचीनभारतीयराजनीतिशास्त्रानुसारेण राज्ञः ऐश्वरिकता विचारणीया।

প্রাচীন ভারতীয় রাজনীতিশাস্ত্রানুসারে রাজার ঐশ্বরিকতা বিচার কর।

(ग) वैदिकशासनव्यवस्थायां सभा-समिति-विदथानामवस्थानम् आलोच्यताम्।

বৈদিক শাসনব্যবস্থায় সভা, সমিতি ও বিদথের অবস্থান আলোচনা কর।

(घ) भारतीयराष्ट्रचिन्तायां दण्डनीति-धर्मशास्त्र-नीतिशास्त्राणाम् अवदानं लिखत।

ভারতীয় রাষ্ট্রচিন্তায় দণ্ডনীতি, ধর্মশাস্ত্র ও নীতিশাস্ত্রের অবদান লেখ।

Vidyasagar University

(ङ) केषाञ्चन चतुर्णां टीका लेख्या : षाड्गुण्यम्, अमात्य:, उपायचतुष्टयं, कौटिल्य:, महात्मा गान्धी, सोमदेवसूरी।

যে-কোন চারটির টীকা লেখ ঃ ষাড়্গুণ্য, অমাত্য, উপায়চতুষ্টয়, কৌটিল্য, মহাত্মা গান্ধী, সোমদেবসূরী।

(च) मनुमते राज्ञ: उत्पत्ति: कथं जायते?—आलोच्यताम्।

মনুর মতে রাজার উৎপত্তি কীভাবে হয়—আলোচনা কর।

(Sanskrit Media)

1. अधोलिखितेषु येथच्छं **त्रय:** प्रश्ना: समाधेया:। 20 × 3 = 60

নিম্নলিখিত যে কোনো **তিনটি** প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) संस्कृतशिक्षणे दूरदर्शनस्य (Talevision) उपयोगिता सम्यक् आलोच्यताम्।

সংস্কৃতশিক্ষণে দূরদর্শনের (Television) উপযোগিতা সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা কর।

(ख) आकाशवाण्या (Radio) दूरदर्शनमाध्यमेन च संवादसम्पादनं (News Editing) संस्कृतभाषायां कथं भवति? उदाहरणेन आलोच्यताम्।

রেডিও ও দূরদর্শনের মাধ্যমে সংস্কৃতভাষায় কিভাবে সংবাদসম্পাদনা হয় তা উদাহরণসহ আলোচনা কর।

(ग) संस्कृतप्रसाराय आकाशवाण्या (Radio) का भूमिका भवितुं शक्नोति सयुक्तिकं पर्यालोचनीया।

সংস্কৃতপ্রসারের ক্ষেত্রে রেডিওর কি ভূমিকা তা যুক্তিসহকারে পর্যালোচনা কর।

(घ) अन्तरजालम् (Internet) किम्? संस्कृतस्य कृते अन्तरजालस्य महत्त्वम् आलोच्यताम्।

(Internet) কি? Internet-এর উপযোগিতা আলোচনা কর।

(ङ) 'Magazine' इति शब्दस्य कोऽर्थ:? संस्कृतमाध्यमेन निबन्धा: (Article Collection) कथं कूर्म: सम्यक् आलोच्यताम्।

'Magazine' শব্দের অর্থ কি? সংস্কৃত মাধ্যমে নিবন্ধসংগ্রহ কিভাবে করব তা আলোচনা কর।

(च) टीका कार्या—

(i) जालवृत्ति: (Blogs)

(ii) संस्कृत-विकिपीडिया (Sanskrit Wikipedia)

Vidyasagar University